CHRONICLE
Nurturing Talent Since 1990

BPSC

बिहार विशेष

प्रारंभिक परीक्षा

बिहार के प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे जाने वाले बिहार विशेष से संबंधित
परीक्षोपयोगी सामग्री, संभावित प्रश्नों के अनुरूप

BPSC
बिहार विशेष
प्रारंभिक परीक्षा

बिहार के प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे जाने वाले बिहार विशेष से सम्बंधित
संभावित प्रश्नों के अनुरूप परीक्षोपयोगी सामग्री
बिहार लोक सेवा आयोग, बिहार कर्मचारी चयन आयोग, बिहार पुलिस
अवर सेवा आयोग एवं अन्य समक्ष प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए पूछे गए
प्रश्नों के अनुरूप सामग्रीयों का समग्र संकलन

संपादक
एन.एन. ओझा

लेखक
क्रॉनिकल संपादकीय समूह

CHRONICLE
Nurturing Talent Since 1990

अनुक्रमणिका

1. बिहार : एक दृष्टि में..... 1-8

- बिहार : भारत में प्रथम..... 5
- बिहार : विश्व में प्रथम..... 6
- बिहार में प्रथम..... 6
- बिहार में प्रथम संस्थान और केन्द्र 8
- बिहार में सबसे बड़ा/सबसे छोटा..... 8
- प्रमुख उपनाम..... 8
- प्रमुख विभूति और उनके जन्म स्थान..... 8

2. प्रमुख नीति एवं योजनाएं.....9-12

- बिहार सरकार की प्रमुख शिक्षा योजनाएं..... 9
- बिहार में महिला एवं बाल विकास की प्रमुख योजनाएं..... 9
- बिहार सरकार की प्रमुख कृषि योजनाएं..... 10
- बिहार सरकार की औद्योगिक एवं उद्यमिता योजनाएं..... 11
- बिहार में बुनियादी ढांचा, पेयजल, स्वच्छता एवं पर्यावरण की प्रमुख योजनाएं..... 11
- बिहार की सामाजिक सुरक्षा और अल्पसंख्यक कल्याण योजनाएं..... 12

3. बिहार में कौन, कहां, क्या?.....13-16

- बिहार मंत्रिपरिषद 2026..... 13
- बिहार विधान सभा के अध्यक्षों की सूची..... 13
- बिहार के राज्यपाल..... 14
- बिहार के मुख्य न्यायाधीशों की सूची..... 14
- बिहार में राष्ट्रपति शासन..... 15
- बिहार के मुख्यमंत्री..... 15
- बिहार के उपमुख्यमंत्री..... 16

4. बिहार की अर्थव्यवस्था.....17-28

- बिहार की अर्थव्यवस्था: अवलोकन..... 17
- क्षेत्रगत संरचना का विस्तृत विवरण..... 18
- राज्य वित्त..... 18
- कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र..... 19
- उद्यम क्षेत्र..... 21
- श्रम, रोजगार और कौशल विकास..... 22
- भौतिक अवसंरचना..... 23
- ई-गवर्नेंस..... 24
- ऊर्जा क्षेत्र..... 24
- ग्रामीण विकास..... 25
- शहरी विकास..... 26
- वित्तीय संस्थान..... 26
- मानव विकास..... 27
- बाल विकास..... 27
- पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधान..... 28

5. बिहार का भूगोल..... 29-50

- बिहार की भूगर्भिक संरचना..... 29
- बिहार का भौतिक स्वरूप..... 31
- अपवाह तंत्र..... 35
- जल-प्रपात..... 39
- झरने..... 39
- झील..... 39
- बिहार की प्राकृतिक वनस्पति एवं वन संपदा..... 40
- वनसम्पदा..... 41
- बिहार की प्रमुख मिट्टियाँ/मृदा..... 42
- कृषि एवं कृषि प्रदेश..... 45
- खनिज संसाधन..... 47
- बिहार के उद्योग एवं औद्योगिक विकास..... 48

6. बिहार का पर्यावरण 51-58

- प्रमुख अभ्यारण्य और राष्ट्रीय उद्यान 52
- भू-जल प्रदूषण..... 53
- बिहार में आपदा और आपदा प्रबंधन..... 54
- आपदा प्रबंधन संबंधी प्रयास..... 55
- जलवायु-संवेदनशील जिले..... 56
- जैव विविधता संरक्षण..... 57
- बिहार में आर्द्रभूमि..... 57

7. बिहार का इतिहास 59-93

- प्राचीन बिहार..... 59
- आर्यों के आगमन के पूर्व बिहार 60
- महाजनपद काल में बिहार 60
- मगध राज्य का उत्कर्ष..... 62
- मौर्य वंश (321.184 ई. पू.)..... 64
- मौर्यकालीन विभिन्न प्रकार के कर..... 69
- मौर्योत्तरकाल..... 69
- गुप्तकालीन बिहार..... 70
- दरभंगा राजवंश: संक्षिप्त विवरण..... 72
- बिहार आने वाले प्रमुख विदेशी यात्री..... 73
- प्राचीन बिहार के शिक्षा केन्द्र..... 75
- मध्यकालीन बिहार..... 76
- बिहार का आधुनिक इतिहास..... 79

- बिहार में ब्रिटिश विरोधी संघर्ष 81
- भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में बिहार के विभिन्न वर्गों की भूमिका 89

8. बिहार की कला एवं संस्कृति 94-113

- बिहार के प्रमुख धर्म 94
- बिहार के लोकनाट्य 96
- बिहार के लोक नृत्य 97
- बिहार में गीत और लोकगीत 98
- बिहार के प्रमुख मेले 100
- बिहार की भाषाएं 101
- बिहार में संगीत घराने 103
- प्राचीन शिक्षा पद्धति 105
- आधुनिक काल में शिक्षा पद्धति 105
- बिहार में कला और स्थापत्य 106
- मूर्तिकला 109
- बिहार में चित्रकला 110

9. बिहार की राजनीतिक प्रणाली 114-120

- बिहार विधान सभा का इतिहास 114
- बिहार विधान परिषद का इतिहास 114
- राज्य की कार्यपालिका 115
- बिहार के प्रमुख आयोग 115
- बिहार में स्थानीय प्रशासन 116
- बिहार में पंचायती राज से संबंधित कानून 118
- बिहार की न्यायपालिका 119
- मद्यनिषेध कानून 120

10. बिहार में सामाजिक विकास 121-123

- बिहार की जनजातियां 121
- बिहार जनसांख्यिकी 2011 122

11. प्रमुख व्यक्तित्व 124-127

- प्राचीनकाल के प्रमुख व्यक्तित्व 124
- आधुनिक काल के प्रमुख व्यक्तित्व 125
- बिहार के प्रमुख साहित्यिक व्यक्तित्व 126

12. बिहार के ऐतिहासिक स्थल व पर्यटन 128-130

- प्रमुख ऐतिहासिक स्थल 128
- पर्यटन नीति 129

13. बिहार : खेल एवं पत्रकारिता 131-133

- खेल 131
- बिहार में पत्रकारिता 132

14. जिलों का संक्षिप्त विवरण 134-143

- पटना, नालन्दा, भोजपुर 134
- कैमूर, रोहतास, बक्सर, गया 135
- जहानाबाद, औरंगाबाद, नवादा, मुजफ्फरपुर 136
- सीतामढ़ी, वैशाली, पूर्वी चम्पारण, सारण 137
- शिवहर, पश्चिमी चम्पारण, सिवान, गोपालगंज 138
- दरभंगा, मधुबनी, बेगूसराय 139
- खगड़िया, समस्तीपुर, मुंगेर, शेखपुरा 140
- जमुई, लखीसराय, मधेपुरा, सुपौल 141
- सहरसा, पूर्णिया, किशनगंज, कटिहार 142
- अररिया, अरवल, भागलपुर, बांका 143

15. बिहार वनलाइनर सामान्य ज्ञान 144-150

- बिहार का इतिहास 144
- कला एवं संस्कृति 146
- बिहार की राजव्यवस्था 146
- बिहार का भूगोल 146
- बिहार का आर्थिक परिदृश्य 147
- पर्यावरण एवं वन्यजीव 149
- बिहार में योजना और कार्यक्रम 149
- बिहार के प्रमुख व्यक्तित्व 150
- बिहार जनगणना 150
- पत्र/पत्रिकाएं 150

16. बिहार विशेष प्रश्न बैंक 151-172

- बिहार का इतिहास 151
- बिहार में कला एवं संस्कृति 158
- बिहार की राजव्यवस्था 159
- बिहार का भूगोल 161
- बिहार आर्थिक परिदृश्य 164
- कृषि सिंचाई एवं परियोजनाएं 166
- खनिज 168
- परिवहन 168
- पर्यावरण एवं वन्य जीव 169
- बिहार में ऊर्जा 170
- योजना/कार्यक्रम 170
- बिहार जनगणना 170
- बिहार के प्रमुख व्यक्तित्व 171
- पत्र/पत्रिकाएं 172
- कौन, कहां, क्या? 172

❑❑❑

1 अध्याय
बिहार : एक दृष्टि में

8वीं शताब्दी में पाल वंश के शासक गोपाल द्वारा ओदंतपूरी/उदंतपुरी विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही इस क्षेत्र में कई बौद्ध बिहरों का निर्माण किया गया। इन्हीं बिहारों की बहुलता के कारण इस क्षेत्र का नाम बिहार पड़ा जो कलांतर में बिहार के रूप में प्रसिद्ध हुआ।

बिहार: प्रमुख तथ्य

- **प्राचीन नाम:** प्राच्य या पूर्व देश (वैदिक युग)
- **बिहार के संदर्भ में प्रथम जानकारी:** शतपथ ब्राह्मण
- **बिहार की राजधानी:** पटना
- **बिहार राज्य का स्थापना:** 22 मार्च, 1912
- **राज्य दिवस (बिहार राज्य का स्थापना दिवस):** 22 मार्च
- **उच्च न्यायालय:** पटना उच्च न्यायालय
- **बिहार की राजकीय भाषा:** हिन्दी
- **द्वितीय राजभाषा:** उर्दू
- **अन्य भाषाएं:** मैथिली, मगही, भोजपुरी, वज्जिका एवं अंगिका
- **राजकीय पक्षी:** गौरैया (पहले नीलकंठ)
- **राजकीय पुष्प:** गेंदा
- **राजकीय वृक्ष:** पीपल
- **राजकीय पशु:** गौर (Indian Bison) [पहले रीछ]
- **राज्य चिह्न:** बोधि वृक्ष, जिसके पार्श्व में दो स्वास्तिक बने हैं (बोधि वृक्ष में दो प्रार्थना मालाएं भी दर्शायी गई हैं)
- **राजकीय मछली:** मांगुर (Walking catfish)
- **राजकीय खेल:** कबड्डी
- **राजकीय गीत:** मेरे भारत के कर्णधार।
- **राजकीय फल:** आम

भौगोलिक परिचय

बिहार का भौगोलिक विस्तार

- **भौगोलिक स्थिति:** भारत के उत्तर-पूर्वी भाग में

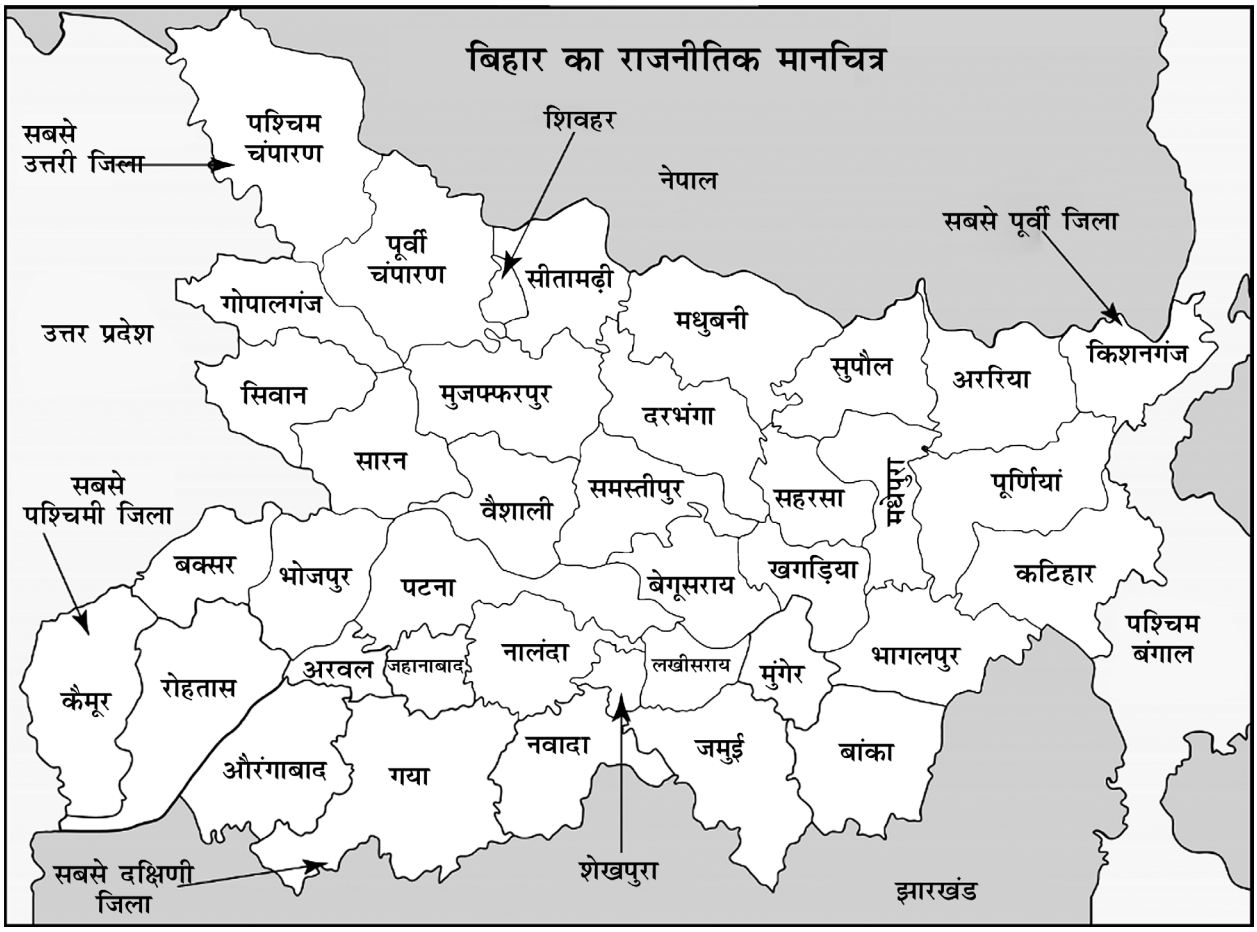

2 अध्याय प्रमुख नीति एवं योजनाएं

बिहार सरकार की प्रमुख शिक्षा योजनाएं			
योजना/कार्यक्रम का नाम	**शुरुआत (वर्ष)**	**मुख्य उद्देश्य (Objective)**	**हालिया पहल एवं अपडेट**
बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (BSCC)	2016	उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक बाधाओं को दूर करना।	**अपडेट:** अब पॉलिटेक्निक और आईटीआई सहित 40+ पाठ्यक्रमों के लिए ₹4 लाख तक का लोन बहुत सरल प्रक्रिया से उपलब्ध है। हाल ही में आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन और पेपरलेस किया गया है।
मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना (शिक्षा घटक)	2018	बालिकाओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना।	स्नातक पास छात्राओं को ₹50,000 और इंटर (12th) पास को ₹25,000 की राशि दी जा रही है। 2025-26 में भुगतान प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए नया पोर्टल लॉन्च किया गया।
मिशन दक्ष	2023	शैक्षणिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए उपचारात्मक शिक्षा।	कक्षा 3 से 8 के कमजोर बच्चों के लिए विशेष कक्षाएं (Special Classes) चलाई जा रही हैं। शिक्षकों को 5-5 बच्चों को मेंटरशिप द्वारा उन्हें पास कराने की जिम्मेदारी दी गई है।
कुशल युवा कार्यक्रम (KYP)	2016	युवाओं को रोजगारपरक कौशल (कंप्यूटर/संवाद) सिखाना।	नए बाजार की मांग को देखते हुए कोर्स में एडवांस्ड आईटी स्किल्स जोड़े गए हैं। अब तक 15 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है।
मुख्यमंत्री बालक/बालिका साइकिल योजना	2006	हाई स्कूल जाने के लिए परिवहन सुविधा देना।	अब यह योजना डीबीटी (DBT) के माध्यम से सीधे खाते में जाती है। हाल ही में 75% उपस्थिति की शर्त को सख्ती से लागू किया गया है ताकि नियमित स्कूल आने वाले छात्रों को ही लाभ मिले।
ई-शिक्षाकोष पोर्टल (E-Shikshakosh)	2024	स्कूलों और शिक्षकों की डिजिटल निगरानी।	शिक्षकों और छात्रों की ऑनलाइन हाजिरी अनिवार्य की गई है। इससे स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति और पारदर्शिता में भारी सुधार हुआ है।
बिहार पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (PMS)	2019 (नया पोर्टल 2021)	मैट्रिक के बाद की पढ़ाई के लिए फीस वापसी।	नए पोर्टल के जरिए अब शैक्षणिक सत्र के दौरान ही पैसा खाते में भेजने का लक्ष्य रखा गया है। SC/ST और BC/EBC छात्रों के लिए आय सीमा और कोर्स लिस्ट को अपडेट किया गया है।
BPSC शिक्षक भर्ती अभियान (TRE)	2023	गुणवत्तापूर्ण शिक्षकों की बड़े पैमाने पर नियुक्ति।	पारदर्शी परीक्षा (TRE 1, 2, 3) के जरिए रिकॉर्ड समय में लाखों शिक्षकों की नियुक्ति की गई है, जिससे स्कूलों में शिक्षक-छात्र अनुपात बेहतर हुआ है।
सात निश्चय-3: आधुनिक स्कूल पहल	2025 (घोषित)	शिक्षा के बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण।	2025-2030 के लिए घोषित इस निश्चय के तहत हर ब्लॉक में 'मॉडल स्कूल' और राज्य में एक 'एजुकेशन सिटी' (Education City) बनाने का प्रस्ताव है।

बिहार में महिला एवं बाल विकास की प्रमुख योजनाएं			
योजना / कार्यक्रम का नाम	**शुरुआत का वर्ष**	**मुख्य उद्देश्य**	**लाभ एवं विशेषताएं**
मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना	2018	बाल विवाह रोकना और कन्या भ्रूण हत्या पर लगाम	बेटी के जन्म से लेकर स्नातक पास करने तक विभिन्न चरणों में कुल ₹54,100 की वित्तीय सहायता।

3 अध्याय बिहार में कौन, कहां, क्या ?

बिहार मंत्रिपरिषद 2026

मुख्यमंत्री

सम्राट चौधरी (भाजपा): गृह, सतर्कता, मंत्रिमंडल सचिवालय, निर्वाचन, नागरिक विमानन और "ऐसे सभी विभाग जो किसी अन्य को आवंटित नहीं किए गए हैं"।

उपमुख्यमंत्री

- **विजय कुमार चौधरी (जदयू):** जल संसाधन और संसदीय कार्य (8 मई 2026)
- **बिजेंद्र प्रसाद यादव (जदयू):** वित्त और वाणिज्य कर (8 मई 2026)

भाजपा

- **राम कृपाल यादव:** सहकारिता
- **केदार गुप्ता:** पर्यटन
- **नितीश मिश्रा:** नगर विकास एवं आवास और सूचना प्रौद्योगिकी (IT)
- **मिथिलेश तिवारी:** शिक्षा
- **रामा निषाद:** पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण
- **विजय कुमार सिन्हा:** कृषि
- **दिलीप जायसवाल:** राजस्व एवं भूमि सुधार
- **प्रमोद कुमार चंद्रवंशी:** खान एवं भूतत्व और कला एवं संस्कृति
- **लखेंद्र कुमार रौशन (alias) लखेंद्र पासवान:** अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण
- **संजय सिंह टाइगर:** उच्च शिक्षा और विधि (कानून)
- **इंजीनियर कुमार शैलेंद्र:** पथ निर्माण
- **नंद किशोर राम:** पशु एवं मत्स्य संसाधन
- **रामचंद्र प्रसाद:** पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन
- **अरुण शंकर प्रसाद:** श्रम संसाधन और युवा, रोजगार एवं कौशल विकास
- **श्रेयसी सिंह:** खेल और उद्योग

जदयू

- **निशांत कुमार:** स्वास्थ्य
- **श्रवण कुमार:** ग्रामीण विकास और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग
- **मदन सहनी:** मद्य निषेध
- **लेशी सिंह:** भवन निर्माण
- **श्वेता गुप्ता:** समाज कल्याण
- **भगवान सिंह कुशवाहा:** योजना एवं विकास
- **दामोदर रावत:** परिवहन
- **बुलो मंडल:** ऊर्जा (बिजली)
- **सुनील कुमार:** ग्रामीण कार्य
- **शीला मंडल:** विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा
- **रत्नेश सदा:** आपदा प्रबंधन
- **जमा खान:** अल्पसंख्यक कल्याण
- **अशोक चौधरी:** खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास)

- **संजय कुमार पासवान:** गन्ना
- **संजय कुमार सिंह:** लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (PHED)

हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेकुलर)

- **संतोष कुमार सुमन:** लघु जल संसाधन और सिंचाई

राष्ट्रीय लोक मोर्चा (RLM)

- **दीपक प्रकाश:** पंचायती राज

बिहार विधान सभा के अध्यक्षों की सूची

क्र.	नाम	अवधि
1.	श्री रामदयालु सिंह	23-07-1937 से 11-11-1944 तक
2.	श्री बिन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा	25-04-1946 से 14-03-1962 तक
3.	डॉ. लक्ष्मी नारायण सुधांशु	15-03-1962 से 15-03-1967 तक
4.	श्री धानिकलाल मंडल	16-03-1967 से 10-03-1969 तक
5.	श्री राम नारायण मंडल	11-03-1969 से 20-03-1972 तक
6.	श्री हरिनाथ मिश्र	21-03-1972 से 26-06-1977 तक
7.	श्री त्रिपुरारी प्रसाद सिंह	28-06-1977 से 22-06-1980 तक
8.	श्री राधानन्दन झा	24-06-1980 से 01-04-1985 तक
9.	श्री शिवचन्द्र झा	04-04-1985 से 23-01-1989 तक
10.	श्री मोहम्मद हिदायुतल्ला खाँ	27-03-1989 से 19-03-1990 तक
11.	श्री गुलाम सरवर	20-03-1990 से 09-04-1995 तक
12.	श्री देव नारायण यादव	12-04-1995 से 06-03-2000 तक
13.	श्री सदानन्द सिंह	09-03-2000 से 28-06-2005 तक
14.	श्री उदय नारायण चौधरी	30-11-2005 से 29-11-2010 तक
15.	---	02-12-2010 से 28-11-2015 तक
16.	श्री विजय कुमार चौधरी	02-12-2015 से 15-11-2020 तक

4 अध्याय

बिहार की अर्थव्यवस्था

यह अध्याय बिहार के विभिन्न अधिकृत सरकारी दस्तावेजों और नवीनतम आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 पर आधारित है, जो राज्य के आर्थिक विकास, राजकोषीय प्रबंधन, बुनियादी ढांचे और मानव विकास का विस्तृत और सांख्यिकीय विश्लेषण प्रस्तुत करता है।

बिहार की अर्थव्यवस्था: अवलोकन

आर्थिक विकास और सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP)

- वर्ष 2024-25 के त्वरित अनुमानों के अनुसार, स्थिर (2011-12) मूल्यों पर बिहार के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।
- वर्तमान मूल्यों पर GSDP में 13.1 प्रतिशत का विस्तार हुआ है।
- इस वृद्धि के साथ राज्य का GSDP स्थिर मूल्यों पर 5,31,372 करोड़ रुपये और वर्तमान मूल्यों पर 9,91,997 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।
- पिछले तीन वर्षों में, बिहार की आर्थिक वृद्धि दर ने वर्तमान और स्थिर दोनों मूल्यों पर भारत की GDP वृद्धि दर को लगातार पीछे छोड़ा है।
- वर्ष 2022-23 में GSDP की वृद्धि दर 17.9 प्रतिशत और 2023-24 में 14.9 प्रतिशत रही, जबकि इसी अवधि में राष्ट्रीय स्तर पर यह क्रमशः 14.0 प्रतिशत और 12.0 प्रतिशत (वर्तमान मूल्यों पर) थी।
- 2024-25 के लिए बिहार की ळैक्च् वृद्धि (वर्तमान मूल्यों पर) 13.1 प्रतिशत आकलित की गई है, जबकि भारत की GDP वृद्धि 9.8 प्रतिशत है।
- स्थिर (2011-12) मूल्यों पर भी, 2024-25 में बिहार की 8.6 प्रतिशत वृद्धि दर भारत की 6.5 प्रतिशत वृद्धि दर से अधिक है।
- ये शानदार आंकड़े बिहार को भारत के सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों की श्रेणी में स्थापित करते हैं।

बिहार एवं भारत की जीडीपी वृद्धि दरों की तुलना (वर्तमान मूल्य)

वर्ष	बिहार (जीएसडीपी) वृद्धि (%)	भारत (जीडीपी) वृद्धि (%)
2022-23	17.9	14.0
2023-24	14.9	12.0
2024-25 (त्वरित)	13.1	9.8

- **2024-25 में जीएसडीपी (स्थिर मूल्य 2011-12):** ₹5,31,372 करोड़
- **2024-25 में जीएसडीपी (वर्तमान मूल्य):** ₹9,91,997 करोड़

निष्कर्ष: लगातार तीन वर्षों से बिहार की वृद्धि दर राष्ट्रीय औसत से अधिक रही है।

बिहार का प्राथमिक, द्वितीयक, तृतीयक क्षेत्रों का प्रदर्शन (2024-25, स्थिर मूल्य 2011-12)

क्षेत्र	वृद्धि दर (%)	जीएसवीए में हिस्सा (2024-25)	2020-21 से हिस्से में परिवर्तन (प्रतिशत अंक)
प्राथमिक	4.1	18.3	-3.6
द्वितीयक	11.1	26.8	+5.7
तृतीयक	8.9	54.8	-2.2

क्षेत्रीय योगदान और संरचनात्मक परिवर्तन

- त्वरित अनुमान 2024-25 के अनुसार, द्वितीयक क्षेत्र के सकल राज्य मूल्य वर्धन (GSVA) में स्थिर मूल्यों पर 11.1 प्रतिशत और वर्तमान मूल्यों पर 15.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- तृतीयक क्षेत्र (Tertiary Sector) में स्थिर मूल्यों पर 8.9 प्रतिशत और वर्तमान मूल्यों पर 13.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।
- प्राथमिक क्षेत्र (Primary Sector) ने 2024-25 में स्थिर मूल्यों पर 4.1 प्रतिशत और वर्तमान मूल्यों पर 9.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है।
- 2020-21 से 2024-25 के बीच, निर्माण और विनिर्माण क्षेत्रों में वृद्धि के कारण स्थिर मूल्यों पर द्वितीयक क्षेत्र की हिस्सेदारी 21.1 प्रतिशत से बढ़कर 26.8 प्रतिशत हो गई है।
- इसके विपरीत, इसी अवधि में प्राथमिक क्षेत्र की हिस्सेदारी 21.9 प्रतिशत से घटकर 18.3 प्रतिशत रह गई है।
- तृतीयक क्षेत्र का हिस्सा भी 57.0 प्रतिशत से कम होकर 54.8 प्रतिशत हो गया है।
- ये संरचनात्मक बदलाव राज्य की आर्थिक गतिविधियों में बढ़ती विविधता को दर्शाते हैं।

5 अध्याय

बिहार का भूगोल

बिहार की भूगर्भिक संरचना

किसी क्षेत्र की भुगर्भिक संरचना उसकी मृदा संसाधन और कृषि की प्रकृति को आधार प्रदान करते हैं।

बिहार की भूगार्भिक संरचना

बिहार का जलोढ़ मैदान संरचनात्मक दृष्टि से नवीनतम संरचना है, जबकि उच्च बिहार (दक्षिण भाग) मूलरूप से विन्धयन शैल समूहों से निर्मित है। प्रायद्वीपीय भारत के उत्तरी-पूर्वी अंग के रूप में बिहार का उच्च प्रदेश एक प्राचीन संरचनात्मक इकाई है।

बिहार की भूगर्भिक विशेषताएं

- भूगर्भिक संरचना के दृष्टिकोण से बिहार में पायी जाने वाली चट्टानों को चार प्रमुख वर्गों में विभाजित किया जाता है, जो निम्नलिखित है :
  1. धारवाड़ चट्टानें,
  2. विन्ध्यन समूह की चट्टानें,
  3. टरशियरी चट्टानें और
  4. क्वार्टरनरी चट्टानें।

1. धारवाड़ चट्टानें

- इनके निर्माण के पदार्थ आर्कियन क्रम की चट्टानों से प्राप्त हुए हैं। ये अत्यन्त ही रूपान्तरित और विस्तरित हो गई हैं।
- इनमें जीवाशेष नहीं पाये जाते हैं। ऐसा अनुमान है कि जब इन चट्टानों का निर्माण हुआ, तब पृथ्वी पर या तो जीवन नहीं था या यही जीवन था तो चट्टानों में जीवाशेषों का स्वरूप समय के साथ नष्ट हो गया।

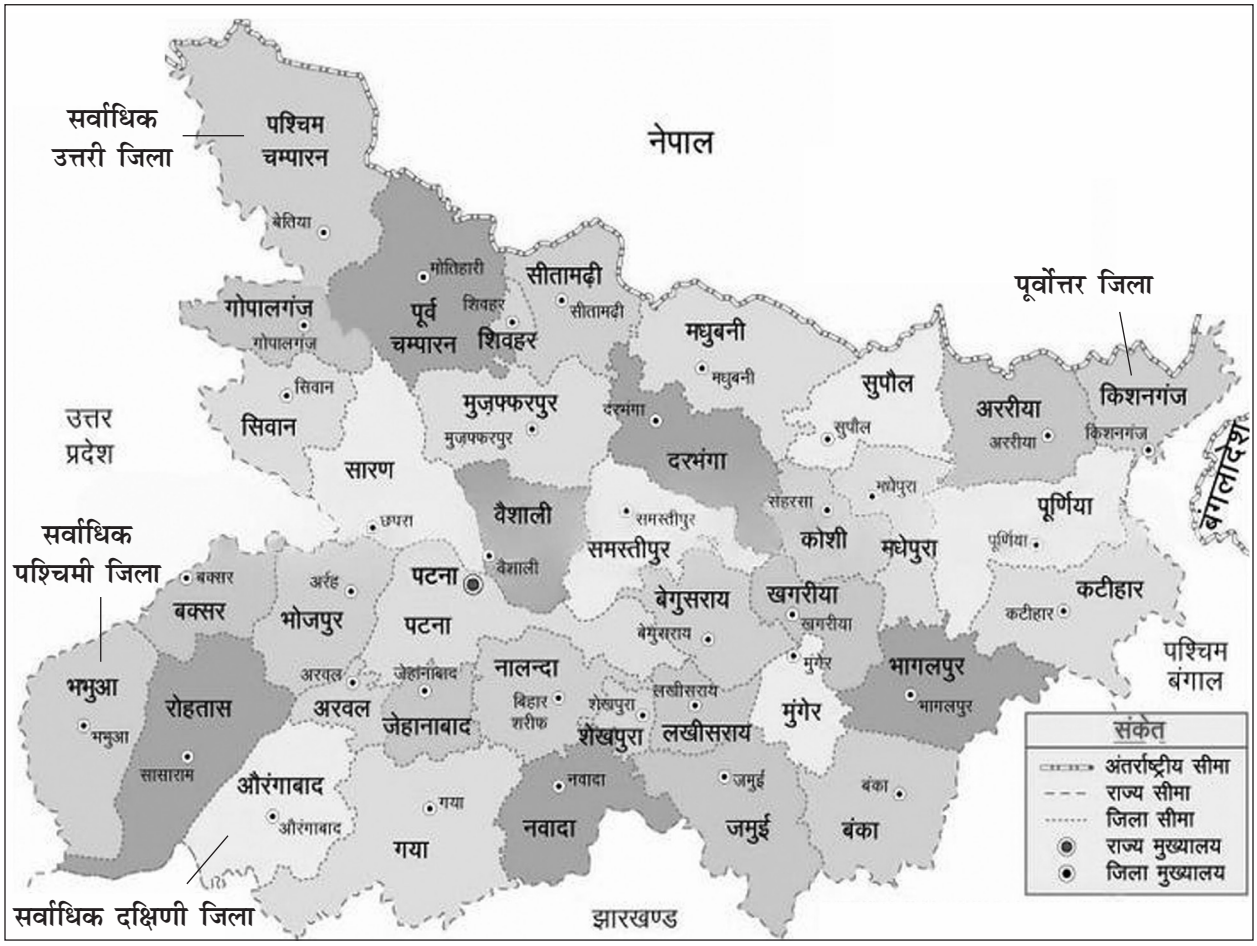

6 अध्याय बिहार पर्यावरण

बिहार में वन

- वन आवरण
  - बिहार का कुल भौगोलिक क्षेत्र: **94,163 वर्ग किमी**
  - कुल वन आवरण: **7,380.79 वर्ग किमी** (राज्य के कुल क्षेत्रफल का 7.84%)
  - बहुत घना वन (VDF): **333.42 वर्ग किमी**
  - मध्यम घना वन (MDF): 3,285.83 वर्ग किमी
  - खुला वन (OF): 3,761.54 वर्ग किमी
  - झाड़ियाँ (Scrub): 235.89 वर्ग किमी
- वन आवरण में परिवर्तन
  - 2019 की तुलना में वन आवरण में 75 वर्ग किमी की वृद्धि
  - सबसे अधिक वृद्धि: बांका (16.29%), जमुई (13.22%), गया (12.24%)
  - सबसे अधिक कमी: कैमूर (-4.83%), सुपौल (-4.46%), रोहतास (-2.32%)
- जिलावार वन आवरण
  - सबसे अधिक वन क्षेत्र: कैमूर (1,051.56 वर्ग किमी), पश्चिम चंपारण (903.34 वर्ग किमी), रोहतास (669.91 वर्ग किमी)
  - सबसे कम वन क्षेत्र: शेखपुरा (1.19 वर्ग किमी), अरवल (4.14 वर्ग किमी), जहानाबाद (4.43 वर्ग किमी)
- कार्बन स्टॉक
  - बिहार में वन कार्बन स्टॉक: 71.56 मिलियन क्यूबिक मीटर
  - रिकॉर्डेड वन क्षेत्र (RFA) में कार्बन स्टॉक: 30.52 मिलियन क्यूबिक मीटर
  - वन क्षेत्र के बाहर (TOF) कार्बन स्टॉक: 41.04 मिलियन क्यूबिक मीटर
- वनाग्नि (Forest Fire)
  - सबसे अधिक वनाग्नि घटनाएँ: वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (VTR-2) में दर्ज
- वृक्ष आवरण (Tree Cover)
  - कुल वृक्ष आवरण: 2,341 वर्ग किमी (राज्य के कुल क्षेत्रफल का 2.49%)
  - 2019 की तुलना में वृक्ष आवरण में 338 वर्ग किमी की वृद्धि (16.87%)
  - वन + वृक्ष आवरण का कुल क्षेत्र: 9,721.79 वर्ग किमी (10.3% भूभाग)

बिहार राज्य वन से सम्बन्धित यहाँ विस्तृत आँकड़े :

1. बिहार का वन आवरण

वन श्रेणी	क्षेत्रफल (वर्ग किमी)	राज्य के कुल क्षेत्रफल का प्रतिशत
बहुत घना वन (VDF)	333.42	0.35%
मध्यम घना वन (MDF)	3,285.83	3.49%
खुला वन (OF)	3,761.54	4.00%
कुल वन आवरण	7,380.79	7.84%
झाड़ियाँ (Scrub)	235.89	0.25%

2. वन आवरण में परिवर्तन (2019-2023)

परिवर्तन	वृद्धि/कमी (वर्ग किमी)	वृद्धि प्रतिशत
कुल वन आवरण वृद्धि	+75	+1.03%
खुला वन (OF)	+69	–
मध्यम घना वन (MDF)	+6	–
बहुत घना वन (VDF)	कोई परिवर्तन नहीं	–

3. जिलावार वन आवरण

जिला	वन क्षेत्र (वर्ग किमी)	कुल क्षेत्रफल का प्रतिशत
कैमूर	1,051.56	31.56%
पश्चिम चंपारण	903.34	17.28%
रोहतास	669.91	12.24%
जमुई	661.17	21.34%
गया	602.55	12.24%

7 अध्याय

बिहार का इतिहास

बिहार, पूर्व ऐतिहासिक काल से ही विकसित हो रही संस्कृतियों का महत्त्वपूर्ण केन्द्र रहा है। यह आर्यावर्त का वह क्षेत्र है, जहां ज्ञान, धर्म, आध्यात्म व सभ्यता संस्कृति की ऐसी किरण प्रस्फुटित हुई, जिससे न केवल भारत, बल्कि समस्त संसार अवलोकित हुआ। विभिन्न युगों में बिहार ने देश के इतिहास और सांस्कृतिक जीवन में निर्णायक भूमिका निभायी है।

- **बौद्ध धर्म और जैन धर्म के उद्‌गम स्रोत** के रूप में बिहार ने विश्व को शान्ति, अहिंसा और भाईचारे का संदेश दिया। भारतीय उपमहाद्वीप में बिहार से ही विशाल साम्राज्यों की प्रक्रिया आरंभ हुई। जहां मौर्यों ने एक योग्य केन्द्रीकृत शासन के आदर्श प्रस्तुत किए, वहीं गुप्तकाल में यह क्षेत्र विद्या, साहित्य और विज्ञान की अद्‌भुत प्रगति का साक्षी रहा। **पाल शासकों ने इस क्षेत्र को बौद्ध विद्या का प्रसिद्ध केन्द्र बनाया, जिसे अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त हुई।**
- **मध्यकाल में बिहार** जहां एक ओर मुगलों के अधीन विकसित अन्तरराष्ट्रीय व्यापार का समृद्ध केन्द्र रहा, मुगल सत्ता के विरुद्ध अफगानों की चुनौती का केन्द्र रहा, वहीं दूसरी तरफ महान् अफगान शासक शेरशाह की कर्म भूमि और प्रशासनिक सुधारों की प्रयोगशाला रही।
- **यहीं पर सिखों के दसवें और अंतिम गुरु, गुरु गोविन्द सिंह जी का जन्म हुआ** तथा इसी भूमि पर अनेक महान् सूफी संतों ने प्रेम, सद्‌भाव, भाईचारा और धार्मिक सहिष्णुता के उपदेश दिए।
- **आधुनिक काल में** बंगाल एवं बिहार भारत में ब्रिटिश सत्ता के उदय का निर्णायक केन्द्र बने। **बिहार में ही संगठित बहावी आन्दोलन भारत का प्रथम जन आन्दोलन था,** जिसने ब्रिटिश सत्ता को सशक्त चुनौती दी।
- जहां बाबू कुंवर सिंह और पीर अली जैसे देशभक्तों ने सन् 1857 में ब्रिटिश सत्ता को झकझोर दिया; वहीं महात्मा गांधी ने चम्पारण में सत्याग्रह का प्रयोग कर ब्रिटिश सत्ता की नींव हिला दी। इन आन्दोलनों के कारण ही यह भूमि भारत में प्रशासनिक सुधारों की प्रयोगशाला बनी रही।

प्राचीन बिहार

प्रागैतिहासिक कालीन बिहार

प्राचीन बिहार की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी हमें पूर्णतः बिहार के विभिन्न भागों में पुरातात्विक उत्खननों से प्राप्त सामग्री के आधार पर मिलती है।

- **विभाजन पूर्व के** बिहार में पुरापाषाण और मध्यपाषाण संस्कृतियों का उदभव और विकास का आरंभिक प्रमाण दक्षिण के छोटानागपुर क्षेत्र में मिलता है।
- **छोटानागपुर : पुरापाषाण कालीन उपकरण पहली बार 1865 ई. में छोटानागपुर के धनबाद जिला स्थित कुनकुने गांव में पाये गये।** सबसे पुराने अवशेष आरंभिक पूर्व प्रस्तर युग के हैं, जो अनुमानतः 100,000 ई. पू. काल के हैं। इनमें पत्थर की कुल्हाड़ियों के फल, चाकू और खुरपी के रूप में प्रयोग किए जाने वाले पत्थर के टुकड़े हैं।
- **मुंगेर और नालन्दा :** ऐसे अवशेष मुंगेर और नालन्दा जिलों में उत्खनन में प्राप्त हुए हैं। मध्यपाषाणयुग (100,000 से 40,000 ई. पू.) के अवशेष मुंगेर में मिले हैं। यहीं से परवर्ती पाषाण युग (40,000 से 10,000 ई. पू.) के अवशेष भी मिले हैं, जो पत्थर के छोटे टुकड़ों से बने हैं।
- **झारखंड :** सिंहभूम, संथाल परगना, पलामू, हजारीबाग, रांची, धनबाद, नालंदा, गया, मुंगेर और भागलपुर जिला के अनेक स्थानों से निम्न, मध्य और उच्च पुरापाषाण तथा मध्य पुरापाषाण कालीन स्थल स्थित हैं।

प्रागैतिहासिक स्थल			
जिला	**स्थल**	**जिला**	**स्थल**
सिंहभूम	रोरोघाटी, नरदाडीह, नीमाडीह, बुराडीह	गया	पेमार घाटी
हजारीबाग	रजरप्पा, लोटा पहाड़	धनबाद	गंजा पहाड़
संथाल परगना	पहाड़पुर	भागलपुर	राजपोखर एवं भाली जोर
नालंदा	जेठियन घाटी	मुंगेर	खड़गपुर, भीमबांध, पैसरा

- वर्तमान बिहार में **बाल्मिकीनगर (पश्चिम चम्पारण) से ही कुछ पुरा पाषाणकालीन उपकरण** मिले हैं।
- गया जिला के शेरघाटी में दो चट्टानी शरण स्थल प्रकाश में आया है।
- बिहार में विकसित नव-पाषाणिक बस्तियां मैदानी भागों में पायी जाती हैं। मैदानी इलाकों में पायी जाने वाली नव पाषाणिक बस्तियां प्रमुख हैं- चेचर (श्वेतपुर), चिरांद, ताराडीह, मनेर और सेनुआर।
- **चिरांद, छपरा से दक्षिण-पूर्व घाघरा नदी के किनारे अवस्थित है।** चिरांद के ठीक विपरीत नदी पर मनेर अवस्थित है।

8 अध्याय

बिहार की कला एवं संस्कृति

बिहार की सभ्यता और संस्कृति में प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास की घटनाओं के साथ-साथ जैन और बौद धर्मों का भी प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

बिहार के प्रमुख धर्म

जैन धर्म

- जैन धर्म के 24वें तीर्थकर महावीर का जन्म **540 B.C. को वैशाली के निकट कुंडग्राम (वर्तमान वासुकुंड)** में हुआ।
- महावीर ने 30 वर्ष की आयु में गृहत्याग दिया। 12 वर्ष की कठोर तपस्या के उपरान्त उन्हें 42 वर्ष की आयु में **जृम्भिक ग्राम के निकट ऋजुपालिका नदी के तट पर ज्ञान प्राप्त हुआ।**
- महावीर को निग्रंथ, न्यायपुत्र, कसावा (गोत्र), वैशलिया, वेदेहादीन, महावीर, केवलिन तथा जिन भी कहा गया।
- महावीर का प्रतीक चिन्ह् सिंह था। 72 वर्ष की आयु में 468 ई. पूर्व में राजगीर के निकट पावापुरी में राजा हस्तिपाल के यहां महावीर को निर्वाण (मृत्यु) की प्राप्ति हुई।
- महावीर ने जैन धर्म के प्रसार-प्रचार के लिए प्राकृत भाषा का प्रयोग किया, कालांतर में संस्कृत का प्रयोग होने लगा तथा कल्पसूत्र संस्कृत में लिखी गई, जबकि धर्मग्रन्थों में अर्धमागधी भाषा का प्रयोग किया तथा अपने विचारों के प्रचार के लिए चंपा, मीथिला, वैशाली एवं राजगीर का भ्रमण किया।
- कालांतर में जैन धर्म दो भागों में बंट गया-
  1. दिगम्बर (स्थूलबाहु के नेतृत्व में)
  2. श्वेताम्बर (भद्रबाहु के नेतृत्व में)
- **भद्रबाहु पवित्र मौलिक साहित्य के अंतिम संपूर्ण ज्ञाता थे।**
- जैन धर्म के पांच महाव्रत- अहिंसा, सत्य, अस्तेय, अपरिग्रह एवं ब्रह्मचर्य हैं।
- जैन धर्म में त्रिरत्न-सम्यक, सम्यक दर्शन एवं सम्यक आचरण।
- जैन धर्म में दो संगीतियों का आयोजन किया गया- प्रथम जैन संगीति का आयोजन पाटलिपुत्र में स्थूलभद्र की अध्यक्षता में तिसरी शताब्दी ई. पूर्व में आयोजित हुआ था तथा दूसरी संगीति का आयोजन पांचवी सदी ई. में गुजरात के बल्लभी में देवर्धि क्षमाश्रमण की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।
- चन्द्रगुप्त मौर्य के शासनकाल में पाटलिपुत्र में जैनधर्म के उपदेशों को संकलित करने के लिए एक महासभा का आयोजन किया गया।

बौद्ध धर्म

- **गौतम बुद्ध का जन्म कपिलवस्तु के शाक्य कुल में लुम्बिनी नामक स्थान पर हुआ।**
- गौतम बुद्ध के पिता का नाम **शुद्धोधन** था तथा माता का नाम **महामाया** था, वो **कौशल राजकुमारी** थी।
- बचपन में बुद्ध का नाम सिद्धार्थ था।
- बुद्ध ने 22 वर्ष की अवस्था में गृह त्याग किया, इस घटना को **महाभिनिष्क्रमण** कहा गया।
- आलार-कलाम इनके प्रथम दृष्टा बने, तत्पश्चात इन्होंने रूद्रक रामपुत्र से ज्ञान लिया।
- **35 वर्ष की आयु में बुद्ध उरूवेला (बोधगया) पहुंचे जहां निरंजना (फल्गू) नदी के तट पर एक पीपल वृक्ष के नीचे 49 दिनों की तपस्या के पश्चात ज्ञान की प्राप्ति हुई।**
- बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश **ऋषिपत्तन (सारनाथ)** में पांच ब्राह्मणों को दिया। इसे धर्मचक्रप्रवर्तन कहा गया।
- 80 वर्ष की आयु में कुशीनगर में इनकी मृत्यु हुई, जिसे **महापरिनिर्वाण** कहा गया।
- बुद्ध ने चार आर्य (श्रेष्ठ) सत्य का प्रतिपादन किया।
- बुद्ध ने दु:ख से निरोध के लिए आष्टांगिक मार्ग का अनुसरण करने को कहा।
- बौद्ध धर्म का मूल ग्रंथ त्रिपिटक है- **सुत्तपिटक, विनयपिटक और अभिधम्म पिटक।**
- प्रथम बौद्ध संगीति (सम्मेलन) का आयोजन राजगृह के सप्तपर्णी गुफा में हुआ, जिसके अध्यक्ष महाकस्सप थे। आनन्द ने सुत्तपिटक (बुद्ध के उपदेश) तथा उपालि ने विनयपिटक (संघ के नियम) का संकलन किया।
- द्वितीय बौद्ध संगीति वैशाली में हुई। **अध्यक्ष-सब्बकामि।** बौद्ध संघ का विभाजन **स्थविरवादी (थेरबावी) एवं महासंघिक (सर्वस्तिवादी) में** हो गया।
- तृतीय बौद्ध संगीति 247 ई.पू. में पाटलिपुत्र में अशोक के शासनकाल में हुई। अध्यक्ष-मोगलिपुत्त-तिस्स। **अभिधम्म कोश (बौद्धदर्शन) की रचना की गई।**
- चतुर्थ संगीति कश्मीर के कुण्डलवन में वसुमित्र की अध्यक्षता में हुई।

9 अध्याय
बिहार की राजनीतिक प्रणाली

संविधान के भाग-6 में अनुच्छेद 153-167 तक राज्य की कार्यपालिका से संबंधित प्रावधान का उल्लेख किया गया है, जिसमें राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद और राज्य के महाधिवक्ता को शामिल किया जाता है। साथ ही इस भाग में राज्य सरकार के संबंध में उपबंध किया गया है।

बिहार विधान सभा का इतिहास

बिहार के इतिहास में 12 दिसम्बर, 1911 ई. मील का पत्थर के रूप में चिह्नित है। इस तिथि को आयोजित दिल्ली दरबार में ब्रिटिश सम्राट ने भारत सरकार की राजधानी कलकत्ता से स्थानान्तरित करते हुए दिल्ली लाने की घोषणा के साथ-साथ कोई तिथि निर्धारित कर बंगाल से बिहार एवं उड़ीसा को अलग कर गवर्नर-इन-कौंसिल के शासन वाला प्रान्त बनाने की घोषणा की थी।

- **22 मार्च, 1912 ई. को जारी उद्घोषणा के द्वारा बंगाल से अलग कर बिहार एवं उड़ीसा नाम से नये राज्य का गठन किया गया।** इसके अन्तर्गत भागलपुर, मुंगेर, पूर्णिया एवं भागलपुर प्रमंडल के संथाल परगना के साथ-साथ सम्पूर्ण पटना, तिरहुत, छोटानागपुर एवं उड़ीसा प्रमंडल को शामिल किया गया।
- बिहार एवं उड़ीसा राज्यों के गठन संबंधी उद्घोषणा दिनांक 1 अप्रैल, 1912 के प्रभाव से लागू हुआ। सर चार्ल्स स्टूवर्ट बेले, को इस राज्य के प्रथम उप-राज्यपाल नियुक्त किये गये।
- संयुक्त बिहार एवं उड़ीसा राज्य में विधायी प्राधिकार की स्थापना सन् 1913 ई. में हुई। **इसके लिए 43 सदस्यीय विधायी परिषद का गठन किया गया, जिसमें 24 निर्वाचित एवं 19 मनोनीत सदस्य थे।**
- **इसकी प्रथम बैठक 20 जनवरी, 1913 ई. को बांकीपुर स्थित कौंसिल चैम्बर में उप-राज्यपाल श्री बेले की अध्यक्षता में संपन्न हुई।**
- 29 दिसम्बर, 1920 ई. को बिहार एवं उड़ीसा राज्य को राज्यपाल के शासन वाला प्रान्त बनने का गौरव प्राप्त हुआ।
- 1 अप्रैल, 1936 ई. को बिहार एवं उड़ीसा अलग हुआ, जिससे दोनों पृथक राज्य के रूप में अस्तित्व में आए।
- गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1935 में निहित प्रावधानों के अनुसार 1 अप्रैल, 1937 ई. को प्रान्तीय स्वायत्तता का गठन हुआ, जिसके क्रम में प्रान्तों में द्विसदनीय व्यवस्था की शुरूआत हुई। इस व्यवस्था के अन्तर्गत बिहार में विधान सभा तथा विधान परिषद प्रस्थापित किया गया।
- गवर्नमेंट ऑफ इंडिया ऐक्ट, 1935 की व्यवस्थाओं के अनुरूप 22-29 जनवरी, 1937 ई. की अवधि में बिहार विधान सभा के चुनाव सम्पन्न हुए। **20 जुलाई, 1937 ई. को डॉ. श्रीकृष्ण सिंह के नेतृत्व में प्रथम सरकार गठित हुई। 22 जुलाई, 1937 ई. को विधान मंडल का अधिवेशन हुआ।**
- **राज्य पुनर्गठन आयोग 1956** की अनुशंसाओं के आधार पर बिहार की सीमा में पुनः परिवर्तन हुआ, जिसके परिणामस्वरूप बिहार विधान सभा के निर्वाचित सदस्यों की संख्या 330 से घटकर 318 हो गई एवं एक सदस्य मनोनीत रखे गए, अर्थात् कुल सदस्यों की संख्या 319 रही।
- **सन् 1962, 1967, 1969 (मध्यावधि चुनाव)** एवं 1972 में हुए बिहार विधान सभा के विभिन्न चुनावों में इसके सदस्यों की संख्या 319 ही रही।
- सन् 1977 में जनसंख्या वृद्धि के अनुपात में बिहार विधान सभा के कुल निर्वाचित सदस्यों की संख्या 318 से बढ़कर 324 हो गयी, इस प्रकार बिहार विधान सभा के कुल सदस्यों की संख्या 325 हो गयी।
- नवम्बर 2000 में भारतीय संसद द्वारा बिहार पुनर्गठन विधेयक पारित होने के पश्चात बिहार से अलग होकर झारखण्ड एक पृथक राज्य के रूप में अस्तित्व में आया।
- बिहार विधान सभा के लिए निर्वाचित सदस्यों कुल 324 सदस्यों में से 81 सदस्य एवं 1 मनोनीत सदस्य, अर्थात कुल 82 सदस्य, 15 नवम्बर, 2000 के बाद झारखण्ड विधान सभा के सदस्य हो गए।
- बिहार विधान सभा के कुल सदस्य 243 सदस्य ही शेष रह गए, जो अभी तक यही है।

बिहार विधान परिषद का इतिहास

1 अप्रैल, 1912 को चार्ल्स स्टुअर्ट बेली बिहार एवं उड़ीसा राज्य के लेफ्टिनेंट गवर्नर बने। लेफ्टिनेंट गवर्नर को सलाह देने के लिए इण्डियन कौंसिल एक्ट, 1861 एवं 1909 में संशोधन कर गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया एक्ट, 1912 द्वारा बिहार विधान परिषद का गठन किया गया, जिसमें 3 पदेन सदस्य, 21 निर्वाचित सदस्य एवं 19 मनोनीत सदस्य रखे गए।

- विधान परिषद की प्रथम बैठक 20 जनवरी, 1913 को पटना कॉलेज (बांकीपुर) के सभागार में हुई।

10 अध्याय

बिहार में सामाजिक विकास

बिहार की जनजातियां

बिहार में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों की भारत की जनगणना 2011 के अनुसार, कुल जनसंख्या 1,38,06,989 है। इनमें अनुसूचित जाति की जनसंख्या 1,30,48,608 है, जिनमें 68,84,676 पुरुष और 62,63,932 महिलाएं हैं। अनुसूचित जनजाति का अधिकांश भाग अब वर्तमान झारखण्ड में चले जाने से बिहार में इनकी कुल संख्या 7,58,381 रह गयी है, जिनमें 9,93,144 पुरुष और 3,65,237 महिलाएं हैं। बिहार की धरती पर लगभग सभी धर्मों, जातियों और जनजातियों के लोग निवास करते हैं। राज्य में जनजाति समाज का वर्चस्व भले ही अत्यधिक कम हो गया हो, फिर भी जनजातीय संस्कृति का बिहार में अपना अलग ही महत्व है।

प्रमुख जनजातियां

आधुनिक बिहार में झारखंड के बनने के बाद जनजातियों की संख्या बहुत कम हो गई, परंतु कुछ जनजातियां अभी भी हैं, जो बिहार की समृद्ध सामाजिक संस्कृति को अपनी प्राचीन संस्कृति से योगदान देती हैं। बिहार में पाए जाने वाली प्रमुख जनजातियां निम्नलिखित हैं-

- **गोंड:** यह जनजाति बिहार के छपरा, चंपारण और रोहतास जिलों में पाई जाती है। प्राय: इनकी अपनी कोई बस्ती नहीं होती, जो कि सामान्यत: अन्य जनजातियों में पाई जाती है। ये लोग गैर-आदिवासियों के साथ रहते हैं। इनकी भाषा मुंडारी है, परंतु अब ये लोग प्राय: स्थानीय भाषा में ही वार्तालाप करते हैं।
- **खोंड:** यह कृषि कार्यों में मजदूरी करने वाली जनजाति है, जो शाहाबाद क्षेत्र में निवास करती है। इनकी भाषा स्थानीय सदानी है, परंतु अब ये अधिकतर भोजपुरी का ही प्रयोग करने लगे हैं।
- **बेड़िया:** इस जनजाति के लोग प्राय: बिखरकर रहने वाले होते हैं, जो अधिकतर मुंगेर जिले में रहते हैं। ये भी किसान और मजदूर होते हैं तथा स्थानीय भाषा में ही वार्तालाप करते हैं।
- **उरांव:** प्रोटोऑस्ट्रेलाइड और द्रविड़ परिवार से संबंध रखने वाले उरांव जनजाति के लोग मुख्य रूप से झारखंड में निवास करते हैं। बिहार और झारखंड विभाजन के बाद यह न्यून संख्या में बिहार में भी रहते हैं। रोहतास, बक्सर, दरभंगा, भागलपुर और चंपारण जिलों में रहने वाली यह जनजाति बोंगवाद, प्रकृतिवाद, हिंदूवाद और ईसाइयत के मिश्रित सिद्धांतों का पालन करती हैं। इनके आर्थिक जीवन में मिश्रित संरचना के दर्शन होते हैं।
- **संथाल:** यह जनजाति भी संथाल परगना (झारखंड) की मूल जनजाति है, जो बिहार में पूर्णिया, भागलपुर, सहरसा आदि जिलों में निवास करती हैं। इन्हें भी प्रोटोऑस्ट्रेलाइड परिवार से संबंधित माना जाता है। **इनकी भाषा संथाली है, जो ऑस्ट्रोएशियाटिक भाषा-परिवार की है।** इसके अतिरिक्त ये लोग बंगाली और हिंदी भाषा का भी प्रयोग करते हैं। सिंगबोंगा इनके पूज्य देवता हैं।
- **खैरवार:** मुख्य रूप से झारखंड में निवास करने वाली यह जनजाति बिहार राज्य के रोहतासगढ़ क्षेत्र में भी पाई जाती हैं। इनकी परंपरा में खैरघासों की पूजा करने का विधान है। इसी कारण इनका नाम खैरवार पड़ा। इस जनजाति के लोगों की भाषा मुंगरी है, परंतु अब ये लोग बिहार की स्थानीय भाषा का प्रयोग भी करने लगे हैं।
- **गोराइत:** बिहार के गया और भोजपुर जिलों में निवास करने वाली यह जनजाति प्रोटोऑस्ट्रेलाइड समूह की हैं। इनके सामाजिक जीवन में परिवार को सबसे छोटी इकाई माना जाता है। ये एकल परिवार पद्धति को अपनाते हैं। इनका विवाह स्वजातीय, परंतु भिन्न गोत्र में होता है। इनका मुख्य व्यवसाय कृषि एवं मजदूरी है।
- **चेरो:** मुख्य रूप से झारखंड के पलामू में निवास करने वाली जनजाति चेरो के कुछ लोग बिहार के गया, रोहतास, भोजपुर और मुंगेर जिलों में पाए जाते हैं। अड़ियल, निर्भीक और स्वतंत्रता प्रेमी चेरो स्वयं को क्षत्रिय और चौहानवंशीय राजपूत मानते हैं। कुछ लोग तो अपने उपनाम के रूप में चंद्रवंशीय भी लिखने लगे हैं। इनकी धार्मिक प्रवृत्ति हिंदुओं से प्रभावित है।
- **कोरा:** बिहार राज्य में जमुई, कटिहार और मुंगेर जिलों के कुछ हिस्सों में कोरा जनजाति निवास करती है। **इनकी भाषा मुंडारी है।** यह लोग सदानी और हिंदी भी बोल लेते हैं।
  - इस जनजाति के लोग एकांत निवास के लिए पहाड़ों अथवा मैदानों में अपने घर बना लेते हैं। इनका सामान्य व्यवसाय कृषि है, परंतु ये लोग वन-उत्पाद और मजदूरी पर अधिक आश्रित हैं।
- **कोरवा:** बिहार में इस अनुसूचित जनजाति के कुछ लोग रोहतास, पूर्णिया, मुंगेर और कटिहार जिले में निवास करते हैं। इनकी सामाजिक व्यवस्था में एकल परिवार और स्वजातीय विवाह की परंपरा है। ये लोग अस्थायी और स्थानांतरित कृषि तथा शिकार से आजीविका चलाते हैं।

11 अध्याय प्रमुख व्यक्तित्व

प्राचीनकाल के प्रमुख व्यक्तित्व

पाणिनी

- पाणिनी प्राचीन भारत के विख्यात व्याकरण शास्त्री थे।
- उनकी प्रसिद्ध कृति अष्टाध्यायी है, जिसमें आठ अध्याय और 3,863 सूत्र हैं।
- **अष्टाध्यायी इतिहास के स्रोत के रूप में महत्त्वपूर्ण है** और इसमें संस्कृत भाषा का शास्त्रीय स्वरूप दृष्टिगोचर होता है।

कपिल

- सांख्य दर्शन को वैज्ञानिक रूप देने वाले कपिल का नाम महात्मा बुद्ध के पूर्व दार्शनिकों में लिया जाता है। कपिल का समय 700-600 संवत ई. पूर्व के लगभग माना जाता है।
- आरण्यिकाओं के आधार पर उनका जन्म मधुबनी जिला के वर्तमान **कपिलेश्वर** स्थान नामक जगह पर हुआ था। यह स्थान मधुबनी से पांच मील उत्तर-पश्चिम में हुसैनपुर ग्राम में अवस्थित है। इसे कपिल का आश्रम भी कहा जाता है।

गौतम मुनि

- गौतम का न्यायसूत्र भारतीय तर्कशास्त्र को अप्रतिम देन है।
- न्याय दर्शन को तार्किक एवं व्यवस्थित रूप देने का श्रेय गौतम या अक्षपद् को दिया जाता है।
- गौतम ने अपनी पुस्तक न्याय सूत्र में न्याय दर्शन की 16 कोटियों की विस्तार पूर्वक चर्चा की है।

जीवक

- प्राचीन भारत के महान चिकित्सकों अप्रेय, मृगु, चरक, सुश्रुत की श्रेणी में जीवक भी थे। वे प्राचीन मगध राज्य के रहने वाले थे।
- जीवक के जन्म के संबंध में पालि स्रोत के आधार पर कहा जाता है कि वे राजगृह की नगरवधू सालवती का पुत्र थे।
- गिलगिट से प्राप्त पाण्डुलिपि में उन्हें राजगृह के एक व्यापारी की पत्नी के गर्भ से उत्पन्न बिम्बिसार का पुत्र बतलाया गया है।

कौटिल्य या चाणक्य

विष्णुशर्मा एवं कौटिल्य के नाम से पहचाने जाने वाले विख्यात कूटनीतिज्ञ चाणक्य मौर्य वंश के संस्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य के न केवल महामंत्री थे, बल्कि राजनीतिक गुरु भी थे।

- उनकी विश्व प्रसिद्ध रचना **अर्थशास्त्र** को आज भी शासन एवं राजव्यवस्था का एक मानक ग्रंथ माना जाता है।
- **चाणक्य का जन्म तक्षशिला में एक कुठिल नामक ब्राह्मणवंश में हुआ था।**

खगोलविद आर्यभट्ट

आर्यभट्ट का जन्म 476 ई॰ पाटलिपुत्र (प्राचीन कुसुमपुर) में हुआ था। इन्होंने बीजगणित की प्रारंभिक आधारशिला रखी। इन्होंने दशमलव प्रणाली का विकास किया। ये गणितज्ञ होने के साथ-साथ खगोलविद् भी थे।

- इनके प्रयास के द्वारा ही खगोल विज्ञान को गणित से अलग किया जा सका। इन्हीं के नाम पर भारत के प्रथम उपग्रह का नाम आर्यभट्ट रखा गया। आर्यभट्ट ने कॉपरनिकस से 1000 वर्ष पूर्व सिद्ध कर दिया था कि पृथ्वी गोल है और यह अपनी धुरी पर घूमती है।
- इन्होंने 499 ई॰ में मात्र 23 वर्ष की उम्र में गणित व खगोलशास्त्र पर एक शोध ग्रंथ **'आर्यभट्टीयम्'** लिखा था। इनकी विद्वता के कारण ही चन्द्रगुप्त मौर्य ने इनको अपने दरबार में रखा था।

अश्वघोष

- अश्वघोष ने पाटलिपुत्र के अशोकराम विहार में बौद्ध धर्म की दीक्षा ली थी। वे बौद्ध धर्म के महायान शाखा के विद्वान थे। अश्वघोष महान संगीतज्ञ, नाटककार, कवि, दार्शनिक एवं धर्मज्ञ थे।
- अपने 'महायान श्रद्धोत्पाद संग्रह' नामक ग्रंथ में इन्होंने शून्यवाद का प्रतिपादन किया है। माना जाता है कि ऐतिहासिक चरित ग्रंथ लेखन विद्या की शुरुआत अश्वघोष के बुद्ध चरित से हुई।
- कनिष्क ने पाटलिपुत्र पर आक्रमण कर वहाँ के शासक को हराकर हर्जाने के रूप में अश्वघोष को प्राप्त किया था। अश्वघोष ने बौद्ध साहित्य की रचना संस्कृत भाषा में की।
- इनके द्वारा रचित ग्रंथ है- सौन्दरानन्द, बुद्धचरित, वज्रसूची, सारिपुत्र-प्रकरण, जातक माला, सूत्रालंकार, महायान श्रद्धोत्पद और गण्डिगोत आदि।

बाणभट्ट

- सातवीं सदी के पूर्वार्द्ध में हुए बाणभट्ट हर्षवर्द्धन के समकालीन थे। उन्हें मौखरिवंश एवं पूष्यभूति वंश का प्रामाणिक इतिहासकार माना जाता है।
- इन्होंने हर्षचरित और कादम्बरी जैसी कालजयी कृतियों के साथ-साथ दुर्गासप्तक और सूर्यसप्तक की भी रचना की।
- बाणभट्ट का जन्म बिहार में सोन नदी के किनारे बसा प्रीतिकूट नामक नगर में एक समृद्ध वात्स्यायन गोत्रिय ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम चित्रभानु और माता का नाम राज्यदेवी था।

12 अध्याय

बिहार के ऐतिहासिक स्थल एवं पर्यटन

प्रमुख ऐतिहासिक स्थल

- **ओदंतपुरी (नालंदा):** यह स्थान बिहार के नालंदा जिले में स्थित है। यहां एक बौद्ध विहार और महाविद्यालय था। **इसकी स्थापना पालवंश के राजा गोपाल ने 730-740 ई. में करवायी थी।** यहां के मुख्य विद्यार्थी दीपंकर थे, जो कालांतर में विक्रमशिला विद्यालय के प्रधान आचार्य बन गए। 13वीं सदी में मुस्लिम आक्रमणकारियों ने इस शिक्षण संस्थान को नष्ट कर दिया।
- **कुंडग्राम (वैशाली में):** वज्जि संघ में ज्ञातृक गणराज्य था जिसका हिस्सा कुंडग्राम था। यह वज्जि संघ का सदस्य था। बिहार के वर्तमान वैशाली जिले के क्षेत्र में स्थित था। ज्ञातृक संघ के प्रमुख सिद्धार्थ के पुत्र महावीर जैन धर्म के 24वें एवं सर्वाधिक महत्वपूर्ण तीर्थंकर के रूप में प्रसिद्ध हुए। महावीर से सम्बद्ध होने के कारण कुंडग्राम नगर का महत्व बढ़ गया था।
- **गिरिव्रज (राजगृह):** यह मगध साम्राज्य की राजधानी थी। वर्तमान में यह स्थान बिहार की राजधानी पटना से लगभग 102 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। राजगृह को राजगीर के नाम से भी जाना जाता है। महाभारत काल में जरासंघ नामक राजा की यहां राजधानी थी।
  - रत्नगिरि में बुद्ध का प्रिय निवास था। यह निवास **'गृद्धकूट'** के नाम से मशहूर था। यहां का सर्वप्रमुख स्थल 'सप्तपर्णी गुफा' है, जहां प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन हुआ था।
- **चम्पा मालिनी (भागलपुर):** (अंग राज्य की राजधानी) बिहार के वर्तमान भागलपुर क्षेत्र में प्राचीनकाल का अंग महाजनपद स्थित था। अंग की राजधानी थी। पुराणों में चंपा का नाम मालिनी भी मिलता है। जातक ग्रंथों के मुताबिक चंपा एक समृद्ध नगरी थी, जहां अनेक संपन्न व्यापारी निवास करते थे। यह रेशम के वस्त्र बुनने का एक विख्यात केंद्र था। छठी सदी ई.पू. में उत्तरी भारत में संगठित होने वाले प्रमुख राज्यों (जनपद) में अंग की राजधानी चंपा में ही थी।
- **नालंदा:** राजधानी पटना के निकट राजगृह या राजगीर से 7-8 मील की दूरी पर आधुनिक बड़गांव नामक गांव से प्राचीन नालंदा के अवशेष मिलने शुरू हो जाते हैं। यहां 7वीं शताब्दी का एक विश्वविख्यात विश्वविद्यालय था, जिसका वर्णन चीनी यात्रियों ह्वेनसांग और इत्सिंग ने विस्तारपूर्वक किया है।
- **बराबर की पहाड़ी (गया जिला):** बिहार के गया जिले के बराबर तथा नागार्जुनी पहाड़ियों से मौखरि वंश के तीन लेख मिले हैं। इसमें तीन राजाओं यज्ञ वर्मा, शार्दूल वर्मा तथा अनंतवर्मा के नाम मिलते हैं। ये बिहार की मौखरि शाखा के थे।
- **वैशाली:** वैशाली में विश्व की प्राचीनतम गणतंत्र था। यहां प्राचीन वैशाली के अवशेष वर्तमान वैशाली जिला के बसाढ़ नामक गांव में पाये गये हैं। यह नगर छठी सदी ई.पू. से लगभग छठी सदी ईस्वी तक समृद्ध नगर रहा।
  - वैशाली का विकास वज्जि गणराज्य के शक्तिशाली सदस्य लिच्छवियों द्वारा किया गया। अजातशत्रु द्वारा मगध साम्राज्य के विस्तार के क्रम में वैशाली का महत्व घटा। गुप्त साम्राज्य के समय यह पुनः एक प्रांतीय राजधानी बनी।
- **पादरी की हवेली:** ख्वाजाकलां के पश्चिम में पटना का सबसे पुराना चर्च स्थित है। यह मोहल्ला आज भी पादरी की हवेली कहलाता है। **इस चर्च का निर्माण 1772 में फादर जोसेफ द्वारा आरंभ हुआ।** यहां ईसाई धर्मप्रचारकों व यात्रियों के रहने की व्यवस्था की थी। यह स्थान 1857 के विप्लव का एक महत्वपूर्ण घटना स्थल रहा।
- **गोलघर:** मुरादपुर के निकट पश्चिम में गोलघर स्थित है। इसका निर्माण कैप्टन जॉन गार्स्टिन ने 1786 में करवाया था। इसका उपयोग अनाज रखने के लिए किया जाता था। इस गोलघर के ऊपर चढ़कर मीलों दूर तक के दृश्य का अवलोकन किया जा सकता है।
- **डॉ. राजेंद्र प्रसाद की समाधि:** पटना के बांस घाट में देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की समाधि है। यहां बिहार के अनेक महत्वपूर्ण व महान विभूतियों की समाधि है। बांस घाट गोलघर के निकट गंगा नदी के तट पर स्थित है।
- **मनेर:** पटना से 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित मनेर मध्यकालीन बिहार में सूफी गतिविधियों का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां 12वीं सदी से ही सूफी संतों के कार्यों का उल्लेख मिलता है।
  - मनेर में मकदूम शर्फुद्दीन याह्या मनेरी का मजार 'बड़ी दरगाह' में स्थित है। जहांगीर के द्वारा नियुक्त मुगल प्रांतपति इब्राहिम खां काकर ने यहां पर एक भव्य मकबरे का निर्माण करवाया। यह बिहार में मुगल स्थापत्य कला का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। प्राचीन काल में भी यह स्थान शिक्षा का मुख्य केंद्र था। यहां व्याकरण के विख्यात ज्ञाता पाणिनी रहते थे।
- **चिरांद:** चिरांद एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल है। यह वर्तमान में सारण जिला में स्थित है। यहां **नवप्रस्तर युग (2500-1500 ई.पू.) और ताम्र प्रस्तर युग (1500-1000 ई.पू.)** के अनेक अवशेष जैसे पत्थर के औजार, मिट्टी और हड्डी के बने सामान और बर्तन उत्खनन में प्राप्त हुए हैं। ये सामग्री यहां के आदिमानव की गतिविधियों के महत्वपूर्ण प्रमाण पेश करते हैं।

13 अध्याय बिहार : खेल एवं पत्रकारिता

खेल

बिहार प्रदेश में खेलकूद को प्रोत्साहित करने तथा उसके लिए संगठित रूप से प्रयास करने का श्रेय स्वर्गीय मोइनुल हक को जाता है। इनके ही अथक प्रयासों से राज्य में खेलकूद संस्थाओं का गठन हुआ तथा उन्हें दिशा मिली। स्व. हक के अलावा बिहार में खेलकूद को स्व. आर.आई. सिंह एवं स्व. रवि मेहता ने भी बढ़ावा दिया।

- बिहार में खेलकूद को बढ़ावा देने तथा उनको प्रामाणिक स्तर प्रदान करने हेतु 1961 में बिहार राज्य स्पोर्ट्स काउन्सिल का गठन किया गया। 1966 में इसका पुनर्गठन हुआ। इसके 19 सदस्य होते थे तथा शिक्षा मंत्री इसके अध्यक्ष होते थे।
- परिषद का मुख्य कार्य सरकार को खेलकूद संबंधी परामर्श देना तथा अन्य संगठनों के साथ सामंजस्य स्थापित करना था। यह परिषद जिला एवं अनुमण्डलीय स्तर के खेलकूद संगठनों का अनुबंधन भी करती थी तथा अनेक क्षेत्रों में यह विशेष खेल जैसे फुटबॉल, हॉकी, टेनिस आदि के लिए कोचिंग की भी व्यवस्था करती थी।
- 1975-76 में स्पोर्ट्स काउंसिल भंग कर एक राज्य स्तरीय स्पोर्ट्स अथॉरिटी का गठन किया गया। अब इसका नाम बिहार स्टेट स्पोर्ट्स अथॉरिटी है। यह एक स्वायत्त संस्था है, जिसके महानिदेशक डब्ल्यू.एच. खां हैं। स्पोर्ट्स काउंसिल के अतिरिक्त राज्य में ओलंपिक एसोसिएशन की भी इकाई है। बिहार ओलंपिक एसोसिएशन का गठन बिहार में खेलकूद संस्थाओं की संबंधनकारी संस्था के रूप में किया गया था। अभी तक 29 जिला स्तरीय खेलकूद की संस्थाएं इससे संबंधित हैं।

स्टेडियम

राज्य में खेलकूद के प्रदर्शन तथा राष्ट्रीय स्तर के खेल समारोह आयोजित करने हेतु कई स्टेडियमों का निर्माण किया गया है। पटना में तीन बड़े स्टेडियम बनाए गये हैं; जिसमें सबसे बड़ा स्टेडियम मोइनुल हक स्टेडियम है। इसकी क्षमता 25 हजार दर्शकों की है तथा यहां अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के फुटबॉल तथा क्रिकेट के मैच आयोजित किये जा चुके हैं। पटना के गांधी मैदान में भी खेलकूद की प्रतियोगिता आयोजित होती रहती है।

- पटना के अतिरिक्त छपरा का राजेन्द्र स्टेडियम प्रसिद्ध है। मुजफ्फरपुर का खुदीराम बोस स्टेडियम तथा हाजीपुर का हाजीपुर स्टेडियम व रेलवे स्टेडियम प्रसिद्ध हैं। गया में हरिहर सुब्रमण्यम स्टेडियम स्थित है। आरा में वीर कुंवर सिंह स्टेडियम तथा वीर कुंवर सिंह पुलिस स्टेडियम स्थापित हैं।
- पूर्णिया में इंदिरा गांधी स्टेडियम प्रसिद्ध है। जिलास्तरीय खेलकूद के लिए प्रायः प्रत्येक जिले में स्टेडियम की स्थापना की गयी है।
- राजगीर में एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम एवं स्पोर्ट्स एकेडमी का निर्माण किया जा रहा है। यह स्टेडियम राजगीर छबीलापुर स्टेट हाईवे पर ढेरा गांव के पास बनाया जा रहा है। इसका निर्माण 90 एकड़ वर्ग क्षेत्र में किया जा रहा है।

प्रमुख स्टेडियम	
1.	मोइनुल हक स्टेडियम, पटना
2.	संजय गाँधी मिनी स्टेडियम, पटना
3.	सचिवालय इनडोर स्टेडियम, पटना
4.	जगजीवन स्टेडियम, खगौल
5.	हाजीपुर स्टेडियम, हाजीपुर
6.	राजेंद्र स्टेडियम, छपरा
7.	सुब्रमण्यम स्टेडियम, गया
8.	इंदिरा गाँधी स्टेडियम, पूर्णिया
9.	पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, पटना
10.	जगजीवन राम स्टेडियम, मोहनिया
11.	वीर कुंवर सिंह स्टेडियम, आरा
12.	मिथिलेश स्टेडियम, पटना
13.	खुदीराम बोस स्टेडियम, मुजफ्फरपुर

खेलो इंडिया और बिहार

बिहार ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 की मेजबानी की, जो राज्य के लिए एक ऐतिहासिक खेल आयोजन था। यह प्रतियोगिता 4 से 15 मई 2025 तक पटना, राजगीर, गया, भागलपुर और बेगूसराय में आयोजित की गई।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में बिहार की भूमिका

- **पहली बार बिहार में आयोजनः** यह पहली बार था जब बिहार ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स की मेजबानी की, जिसमें 6,000 से अधिक एथलीटों ने भाग लिया।
- **खेलों की संख्याः** इस संस्करण में 27 प्रतिस्पर्धी खेल और 1 डेमो खेल शामिल थे।
- **ई-स्पोर्ट्स की शुरुआतः** पहली बार खेलो इंडिया में BGMI, स्ट्रीट फाइटर 6, चेस और ई-फुटबॉल जैसे ई-स्पोर्ट्स को शामिल किया गया।

14 अध्याय जिलों का संक्षिप्त विवरण

पटना

- **मुख्यालय:** पटना
- **क्षेत्रफल:** 3,202 वर्ग किमी.
- **कुल जनसंख्या:** 58,38,465
- **जनसंख्या घनत्व:** 1,471
- **लिंगानुपात:** 897
- **2001-2011 के मध्य जनसंख्या वृद्धि दर:** 23.73 प्रतिशत
- **साक्षरता:** 70.68 प्रतिशत
- **पुरुष साक्षरता:** 78.48 प्रतिशत
- **महिला साक्षरता:** 61.96 प्रतिशत
- **अनुमंडल:** बाढ़, दानापुर, मसौढ़ी, पालीगंज, पटना साहिब, पटना सदर
- **प्रखंड:** पटना, धनरुआ, फुलवारी शरीफ, बिहटा, नौबतपुर, पालीगंज, बाढ़, मोकामा, मसौढ़ी, पुनपुन, मनेर, दानापुर, बिक्रम, बख्तियारपुर, पंडारक, फतुहा, दनियावान, खुसरूपुर, अथमलगोला, बेलछी, घोसवरी, दुल्हिन बाजार, सम्पतचक
- **कृषि:** आलू, धान, प्याज, सब्जियां
- **उद्योग:** चीनी उद्योग, चमड़ा उद्योग, बेकरी, वेल्डिंग कार्य, आटा-चक्की, बिजली-बल्ब।
- **नदियां:** गंगा, सोन, पुनपुन।

प्रमुख व्यक्तित्व: फूलनदेवी प्रसाद वर्मा, पुण्यदेव शर्मा, सारंगधर सिंह, श्यामनन्दन सिंह, प्रोफेसर अब्दुल बारी, नारायण सिंह, कमला कान्त आजाद, रामविलास सिंह, रामचन्द्र शर्मा, अमहरा दिवाकर शर्मा, बिस्मिल अजीमाबादी, विमल सेन गुप्ता, नवलाख सिंह, विक्रम।

प्रमुख दर्शनीय स्थल: तख्त श्रीहरिमंदिर, पटना का गोलघर यहां अगमकुआं, चाणक्य गुफा, पटना देवी का मंदिर, विश्वस्तरीय म्यूजियम, चिड़ियाघर, संजय उद्यान, विख्यात खुदाबख्श लाइब्रेरी, मनेर स्थित दरगाह, पटना में कुम्हारार स्थित प्राचीन राजमहल के अवशेष आदि सैकड़ों घूमने, ज्ञानवर्द्धन व मनोरंजन के स्थल हैं।

नालन्दा

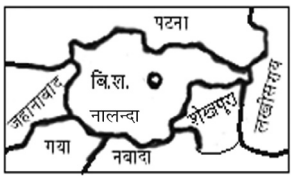

- **मुख्यालय:** बिहारशरीफ
- **क्षेत्रफल:** 2,355 वर्ग किमी.
- **कुल जनसंख्या:** 28,77,653
- **जनसंख्या घनत्व:** 1,222 व्यक्ति/वर्ग किलोमीटर
- **लिंगानुपात:** 922
- **2001-2011 के मध्य जनसंख्या वृद्धि दर:** 21.39 प्रतिशत
- **साक्षरता:** 64.43 प्रतिशत
- **पुरुष साक्षरता दर:** 74.86 प्रतिशत
- **महिला साक्षरता दर:** 53.10 प्रतिशत
- **अनुमंडल:** बिहारशरीफ, राजगीर, हिलसा
- **प्रखंड:** गिरियाक, रहुई, नूरसराय, हरनौत, चंडी, इस्लामपुर, राजगीर, अस्थावां, सरमेरा, हिलसा, बिहारशरीफ, एकंगर सराय, बेन, नगरनौसा कराईपरसोराई, सिलाव, परवलपुर, कतरीसराय, बिंद, थरथरी।
- **कृषि:** आलू, धान, प्याज।
- **उद्योग:** चीनी उद्योग, हथकरघा उद्योग।
- **नदियां:** फल्गु, मोहनी।
- **प्रमुख स्थल:** नालन्दा के राजगीर में विश्व शांति स्तूप जीवक आम्रवन, सोन भंडार गुफाएं, मनियार मठ, वेणुवन, करंद सरोवर, मखदूम कुंड, सप्तधारा, सप्तपर्णी गुफा, बिंबिसार का कारागार, गृद्धकूट पर्वत आदि प्रमुख दर्शनीय स्थल है।

भोजपुर

- **मुख्यालय:** आरा
- **क्षेत्रफल:** 2,395 वर्ग किमी.
- **कुल आबादी:** 27,20,155
- **जनसंख्या घनत्व:** 1,139
- **लिंगानुपात:** 907
- **2001 से 2011 के मध्य जनसंख्या वृद्धि दर:** 21.63 प्रतिशत
- **साक्षरता:** 72.79 प्रतिशत
- **पुरुष साक्षरता दर:** 81.74 प्रतिशत
- **महिला साक्षरता दर:** 58.03 प्रतिशत
- **अनुमंडल:** आरा सदर, पीरो, जगदीशपुर
- **प्रखंड:** आरा सदर, उदवंतनगर, जगदीशपुर, कोईलवर, सहर, बरहरा, संदेश, शाहपुर, चारपोखरी, पीरो, तरारी, बिहिया, अगैवन, गड़हनी।
- **कृषि:** धान, गेहूं, मक्का
- **उद्योग:** धान और तेल मिल
- **नदियां:** गंगा, सोन
- **प्रमुख व्यक्तित्व:** वीर कुंवर सिंह, बाबू अमर सिंह, हरेकृष्ण सिंह (1857 में कुंवर सिंह के कमांडर) आचार्य शिवपूजन सहाय, सच्चिदानंद सिन्हा, जगजीवन राम।

15 अध्याय

बिहार वनलाइनर सामान्य ज्ञान

बिहार का इतिहास

- मगध शासक बिम्बिसार का चिकित्सक कौन था?- **जीवक**
- बिहार में तुर्क सत्ता का वास्तविक संस्थापक कौन था? **- इब्न बख्तियार खिलजी**
- बिहार के प्रथम भारतीय गवर्नर कौन थे? **- सत्येन्द्र प्रसाद सिन्हा**
- संथाल विद्रोह के नेता कौन थे? **- सिद्धो, कान्हो**
- बिहार में चौरी विद्रोह किस वर्ष हुआ था? **- 1832**
- किस वर्ष उडीसा को बिहार से पृथक किया गया था? **-1936**
- आजाद दस्ता बिहार में किस आन्दोलन के दौरान सक्रीय रहा? **- भारत छोडो आन्दोलन**
- 1946 में गठित अंतरिम सरकार के मंत्रिमंडल में श्रम विभाग किसे सौपा गया था? **- जगजीवन राम**
- 1942 में किस त्यौहार के अवसर पर जय प्रकाश नारायण हजारीबाग जेल से भाग निकले थे **- दीपावली**
- डॉ. राजेंद्र प्रसाद को कब संविधान सभा का सभापति चुना गया था? **-11 दिसम्बर 1946**
- प्रथम बौद्ध महासभा कहां आयोजित हुई थी? **- राजगृह**
- किस गुप्त शासक ने अपने बड़े भाई की हत्या कर सत्ता प्राप्त की? **- चन्द्रगुप्त द्वितीय**
- खुदीराम बोस ने किस स्थान पर किम्सफोर्ड की हत्या का प्रयास किया था? **- मुजफ्फरपुर**
- 'आजाद दस्ता' बिहार में किस आन्दोलन के दौरान सक्रिय रहा? **- भारत छोड़ो आंदोलन**
- भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान कौन से नेता हजारीबाग जेल से फरार हुए? **- जय प्रकाश नारायण**
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1922 ई. में आयोजित गया अधिवेशन के अध्यक्ष कौन थे? **- चित्तरंजन दास**
- 1946 ई. में बनी अन्तरिम सरकार में राजेन्द्र प्रसाद के पास कौन-सा विभाग था? **- खाद्य एवं कृषि**
- 1855 में संथाल विद्रोह का नेतृत्व किसने किया था? **- सिद्धो और कान्हू**
- गांधीजी को चंपारण आने का आमंत्रण किसने दिया था? **- राजकुमार शुक्ल**
- बोधगया में किसे ज्ञान-प्राप्ति हुई थी? **- गौतम बुद्ध**
- 1913 ई. में पटना में अनुशीलन समिति की एक शाखा की स्थापना किसने की थी? **- सचिन्द्रनाथ सान्याल**
- बिहार समाजवादी पार्टी का गठन किन्होंने किया था? **- फूलनप्रसाद वर्मा और जयप्रकाश नारायण**
- बंगाल प्रान्त के साथ बिहार प्रान्त को कब मिलाया गया? **- 1733 ई.**
- किसे चंपारण सत्याग्रह का एक बहुत महत्वपूर्ण पहलू सही मायने में कहा जा सकता है? **-भारत के राष्ट्रीय आंदोलन में किसान आंदोलन का शामिल होना**
- बिहार के किस नेता ने 'हर्म्मोड कमीशन' के समक्ष रांची में प्रस्तुत होकर दलितों के लिए मताधिकार की मांग रखी थी? **- बाबू जगजीवन राम**
- किसने बक्सर के युद्ध के तुरंत बाद अंग्रेजों के विरुद्ध बिहार में विद्रोह की शुरुआत की थी? **- महाराज फतेह बहादुर शाही**
- भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान पटना के 'सात शहीद' कहे जाने वाले व्यक्तियों में से कौन बी.एन. कॉलेज का विद्यार्थी था? **- जगतपति कुमार**
- प्लासी युद्ध के पश्चात किसको बिहार प्रान्त का 'उप-दीवान' नियुक्त किया गया था? **- राजा सीताब राय**
- बिहार में 'तीनकठिया पद्धति' किस फसल के उत्पादन से जुड़ा हुआ था? **- नील**
- किस वर्ष 'मुजफ्फरपुर बम काण्ड' घटित हुआ? **- 1908**
- 1922 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का वार्षिक सम्मेलन बिहार के किस शहर में हुआ था? **- गया**
- बिहार कांग्रेस कमिटी के प्रथम अध्यक्ष कौन थे? **- सर इमाम अली**
- बिरसा आंदोलन का धार्मिक चरित्र युवा बिरसा मुंडा पर किसके प्रबल प्रभाव के कारण था? **- आनंद पनरे**
- 5 अक्टूबर, 1926 को इनमें से किस नेता ने रांची के स्थानीय आर्य समाज भवन में खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया था **- श्री राजेंद्र प्रसाद**
- सविनय अवज्ञा आंदोलन के 'नो टैक्स अभियान' के अंतर्गत 'चौकीदार कर' का भुगतान करने से इन्कार निम्नलिखित राज्यों में से कहां शुरू हुआ? **- बिहार**
- छठी शताब्दी ई.पू. में एक गणतंत्र था? **- मल्ल**
- 1931 में बिहार सोशलिस्ट पार्टी का गठन किसने किया? **- फूलन प्रसाद वर्मा**
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का कौन-सा अधिवेशन गया, बिहार में हुआ? **- 1922**
- 1939 में बिहार में अम्बारी सत्याग्रह का नेतृत्व किसने किया था? **- राहुल सांकृत्यायन**

16 अध्याय

बिहार विशेष : प्रश्न बैंक

बिहार का इतिहास

1. किस कांग्रेसी नेता ने 1918 में बिहार की यात्रा की ताकि होम रूल लीग की गतिविधियों को बल मिल सके?

(a) एनी बेसेंट (b) बी. जी. तिलक
(c) महात्मा गांधी (d) एम. ए. अंसारी

71वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा, 2025

2. चम्पारण कृषि कमेटी की नियुक्ति में किसके बीच समझौता हुआ?

(a) भारतीय सरकार और राज कुमार शुक्ला
(b) भारतीय सरकार और गांधीजी
(c) भारतीय सरकार और राजेन्द्र प्रसाद
(d) भारतीय सरकार और अनुग्रह नारायण सिंह

71वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा, 2025

3. बिहार में किसान सभा का प्रमुख नेता कौन था?

(a) सहजानन्द सरस्वती (b) राज कुमार शुक्ला
(c) आचार्य नरेन्द्र देव (d) बाबा रामचन्द्र

71वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा, 2025

4. बिक्रम पुलिस थाने के अन्तर्गत राष्ट्रीय ध्वज को फहराते समय किसको मार दिया गया था?

(a) गोराखड़ी के रघुनाथ सिंह
(b) बिक्रमपुर के राम नारायण
(c) गोराखड़ी के सत्येन्द्र
(d) उपरोक्त में से कोई नही

71वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा, 2025

5. मार्च 1939 में बिहार के मुख्यमन्त्री कौन बने?

(a) अनुग्रह नारायण सिंह (b) राजेन्द्र प्रसाद
(c) श्री कृष्ण सिंह (d) उपरोक्त में से कोई नही

71वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा, 2025

6. बिहार के निम्नलिखित समाचार पत्रों में से सबसे पहले किसका प्रकाशन प्रारम्भ हुआ था?

(a) पटना हरकारा (b) बिहार बंधु
(c) अखबार-ए-बिहार (d) बिहार हेरल्ड्

71वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा, 2025

7. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए।

सूची-I पटना/संगठन	सुची-II संबंधित व्यक्ति
(a) चंपारण सत्याग्रह	(1) जयप्रकाश नारायण
(b) आज़ाद दस्ता	(2) श्याम नारायण सिंह
(c) 1940 में बिहार में व्यक्तिगत	(3) सहजानन्द सरस्वती सत्याग्रह
(d) किसान सभा बिहार	(4) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

	a	b	c	d
(A)	2	2	1	4
(B)	4	2	3	1
(C)	1	4	3	2
(D)	4	1	2	3

71वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा, 2025

8. ब्रिटिश शासन के दौरान नया प्रांत बिहार कब अस्तित्व में आया?

(a) अप्रैल 1912 (b) अप्रैल 1911
(c) मार्च 1912 (d) उपरोक्त में एक से अधिक

70वीं बीपीएससी प्रा. परीक्षा 2024

9. निम्नलिखित में किस महान शासक ने प्राचीन बिहार में "हर्यक वंश" की स्थापना की?

(a) बिम्बिसार ने (b) बृहद्रथ ने
(c) अजातशत्रु ने (d) उपरोक्त में एक से अधिक

70वीं बीपीएससी प्रा. परीक्षा 2024

10. सिख तीर्थ स्थल "तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब" जिसे दूसरा सबसे पवित्र तख्त माना जाता है, स्थित है

(a) भागलपुर (b) गया
(c) पटना (d) उपरोक्त में एक से अधिक

70वीं बीपीएससी प्रा. परीक्षा 2024

11. निम्नलिखित में से किस सुफी सिलसिले की स्थापना बिहार में हुई थी?

(a) कादरिया (b) फिरदोसिया
(c) कलंदर (d) कुबरिया

70वीं बीपीएससी (प्रा.) री-एक्जाम

12. पटना कॉलेज कब स्थापित हुआ?

(a) 1865 (b) 1863
(c) 1861 (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

70वीं बीपीएससी (प्रा.) री-एक्जाम

13. बिहार राज्य कब प्रतिष्ठित हुआ?

(a) 1915 (b) 1911
(c) 1906 (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

70वीं बीपीएससी (प्रा.) री-एक्जाम

14. बिहार का वह रसोइया, जिसने 1917 में महात्मा गाँधी की हत्या के प्रयास को विफल कर उनके भोजन में मिले जहर से उनकी जान बचाई थी, था?

(a) मीर बकवाल (b) मुजफ्फर अहमद
(c) बतख मियां (d) इनमें से कोई नहीं

69वीं एवं 68वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा, 2023